Tulsi Aarti Marathi | तुळशीची आरती Download Pdf

जय जय श्री तुलसी माता, सद्गुण वृंदावन की दाता।

श्री हरि प्रेम सुख वारिनी, बिनती करती श्री नारद मुनि।।

जय जय श्री तुलसी माता, कांचन थाली को आरती।

मृदु प्रियतम मनु मोहनी, चंदन सिया आरती।।

जय जय श्री तुलसी माता, कांचन सिंहासन बैठी।

श्री नारद जी मोहन माता, सम पर्वत मज्जन चित देखी।।

जय जय श्री तुलसी माता, अरज लीजै निज देह धरी।

जयति जयति कपिंद्र वारिनी, श्री राम चरण शरण लीजै।।

जय जय श्री तुलसी माता, श्री भगवति वसुन्धरा धरि।

धरा भार काटि उद्धारिणी, तुलसी भारती अवतारी।।

जय देव जय देवी जय माये तुळशी ।
निज पत्राहुनि लघुतर त्रिभुवन हे तुळशी ॥ धृ. ॥

ब्रह्मा केवळ मूळीं मध्ये तो शौरी ।
अग्रीं शंकर तीर्थे शाखापरिवारीं ॥
सेवा करिती भावें सकळहि नरनारी ।
दर्शनमात्रें पापें हरती निर्धारी ॥ जय देवी. ॥ १ ॥

शीतल छाया भूतल व्यापक तूं कैसी ।
मंजिरिची बहु आवड कमलारमणासी ।
सर्व दलविरहित विष्णू राहे उपवासी ।
विशेष महिमा तुझा शुभ कार्तिकमासी ॥ जय देवी. ॥ २ ॥

अच्युत माधव केशव पीतांबरधारी ।
तुझे पूजनकालीं जो हें उच्चारी ॥
त्यासी देसी संतति संपत्ति सुखकारी ।
गोसावीसुत विनवी मजला तूं तारी ॥ ३ ॥

Tulsi Aarti Marathi | तुळशीची आरती

॥ जय जय तुळसी माता, जय जय तुळसी माता।

तू कृष्णवतारी, आनंदकरी, भक्ती मोदकाचं राजा॥

॥ जय जय तुळसी माता, जय जय तुळसी माता।

तू आणि मुक्ति, आणि सुखकर्ता, विषय मोहींना त्यागा॥

॥ जय जय तुळसी माता, जय जय तुळसी माता।

श्रीरामचंद्र कृपालू भवानी, सदा सर्वत्र रवा॥

॥ जय जय तुळसी माता, जय जय तुळसी माता।

तुळसी माता श्रीतुळसी माता, आरती सदा रचवा॥

तुळशीची आरती/वृंदावनवासी जय माये तुळस - (Tulsi Aarti Marathi)

वृंदावनवासी जय माये तुळसी ।
शिवहरिब्रह्मादीकां तूं वंद्य होसी ॥
मृत्युलोकी प्रगटुनि भक्ता उद्धरिसी ।
तुझें दर्शन होतां जळती अघराशीं ॥ १ ॥

जय देव जय देवी जय तुळसी माते ।
करिं वृद्धीं आयुध्य नारायणवनिते ॥ धृ. ॥

कार्तिकशुक्लद्वादशि कृष्णाशीं लग्न ।
तुझे वृंदावनी निशिदिनिं श्रीकृष्ण ॥
स्वर्गाहूनी वृष्टी करिती सुरगण ।
भक्त चिंतन करितां करिसी पावन ॥ जय. ॥ २ ॥

त्रिभुवनिं तुझी सेवा करिती त्रिकाळ ।
त्यातें सुख देऊनी तारी गोपाळ ॥
तुझें स्तवन ऎकुनि कांपति कळिकाळ ।
पावन करि मज म्हणे मोरो बल्लाळ ॥ जय. ॥ ३ ॥

श्री तुलसी-आरती- नमो नमः तुलसी

नमो नमः तुलसी कृष्ण-प्रेयसी नमो नमः
राधा-कृष्ण-सेवा पावो एइ अभिलाशी **(१)**

ये तोमरा सरणा लॉय, तारा वांचा पूर्ण होय
कृपा कोरी 'कोरो तारे वृंदावन-वासी **(२)**

मोरा अबही, विलास कुंजे दीयो वास
नयना हेरिबो सदा युगला-रूप-रासी **(3)**

ईई निवेदना धारा, सखिरा अनुगत कोरो
सेवा-अधिकार दिये कोरो निज दासी **(४)**

दिना कृष्ण-दासे कोय, एई येना मोरा होय
श्री-राधा-प्रेरदा- येना भासी (५)

|| तुलसी-आरती हिंदी ||

जय जय तुलसी माता,
सब जग की सुख दाता, वर दाता |||| जय जय तुलसी माता ||

सब योग के उपर, सब रोगो के उपर,
रुज से रक्षा करे भव त्राता |||| जय जय तुलसी माता ||

बहू पुत्री ही श्यामा, सूर बल्ली हे ग्राम्य,
विष्णु प्रिये जो तुमको सेवे, सो नर तर जाता |||| जय जय तुलसी माता ||

हरी के शीश विराजत त्रिभुवन से हो वंदित,
पतित जानो की तारिणी, तुम हो विख्याता |||| जय जय तुलसी माता ||

लेकर जनम विजन मी आयी दिव्य भवन मी,
मानवलोक तुमही से सुख संपती पाता |||| जय जय तुलसी माता ||

हरी को तुम अति प्यारी श्यामवरण सुकुमारी,
प्रेम अजब है उनका तुमसे कैसा नाता |||| जय जय तुलसी माता ||

||तुळशीची आरती|| Tulsi Aarti Marathi

जय जय तुलसी माता सर्व जग की सुखदाता, वर दाता,
सत्यनारायण स्वामी, जन पातक हरणा |||| जय जय तुलसी माता ||

सबयोगों के वर, सब रोगों के वर,
रुज से रक्षा भव त्राता |||| जय जय तुलसी माता ||

बटू पुत्री हे श्यामा, सुर बल्ली हे ग्राम,
विष्णु प्रिये जो तुमको सेवे, सो नर तर जाता |||| जय जय तुलसी माता ||

हरि के शीश विराजत, त्रिभुवन से हो वन्दित,
पतित जनो की तारिणी विख्याता |||| जय जय तुलसी माता ||

जन विजन, आई दिव्य जन्म,
मानव लोक तुमसे सुख संपति पाता |||| जय जय तुलसी माता ||

हरि को तुमची अति प्रिय, श्यामवरण प्रेम,
प्रेम अजब आहेत तुमसे कैसा नाता |||| जय जय तुलसी माता ||